Sl. 241, v. 1, b. म्रापत्काले ब्राव्हाणाध्यापकासम्भवे॥ (Coullouca.)

Sl. 242, v. 1, b. म्रात्यत्तिकं वासं यावड्डीविकं ब्रह्म-चर्यो ॥ (Coullouca.)

Sl. 244, v. 1, a. समाप्तिः शरीर्ध्य जीवनत्यागः तत्पर्यन्ते ॥ (Coullouca.)

Sl. 245, v. 1, a. स्नानात् पूर्व्व ॥ (Coullouca.) — v. 2, a. स्नास्यन् समावर्त्तनाच्यं स्नानं करिष्यन् ॥ (Rághavánanda.)

SI. 246, v. 2, b. गुर्वे द्वा तत्प्रीतिमर्ड्सियत् ॥ (C.)

SI. 247. निष्ठिकस्यायमुपद्शः ॥ (Coullouca.)

SI. 248, v. 2, b. म्रात्मनो देहं म्रात्मदेहावच्छित्रं जीवं ब्रह्मप्राप्तियोग्यं साध्येत् ॥ (Coullouca.)

Sl. 249, v. 2, b. L'édition de Calcutta, celle de Londres, tous les Mss. de M. Haughton et le Ms. dévanagari portent न चेहाडायते; M. de Schlegel présère lire न चेह जा- यते, et cette correction se trouve dans le Ms. bengali.